www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 101 | जौनपुर, शनिवार, 28 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अखिलेश बताएं, उनके लिए कुरान बड़ा है या संविधान – ओपी राजभर

लखनऊ, (संवाददाता)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को निशाने पर लिया है। राजभर ने एक्स पर पोस्ट कर पूछा कि अखिलेश बताएं, उनके लिए कुरान बड़ा है या संविधान। उन्होंने मुस्लिमों को आरक्षण देने की बात पर सवाल उठाते हुए कहा कि अखिलेश एक तरफ संविधान और आरक्षण की दुहाई देते हैं, दूसरी तरफ ध र्म के आधार पर आरक्षण देने की बात कर रहे हैं। राजभर ने पोस्ट की शुरुआत "मित्र अखिलेश यादव जी, राधे–राधे" से की। उन्होंने लिखा कि अखिलेश को रैपिड फायर राउंड बहुत पसंद है तो उसी अंदाज में यह भी बता दें कि उनके लिए कुरान बड़ा है या संविधान। उन्होंने तंज कसा कि अखिलेश अपनी "एसी–पीसी और ट्विटर" पर संविधान और आरक्षण को लेकर बड़ी–बड़ी बातें करते हैं, लेकिन मुस्लिम आरक्षण की बात करते समय संविधान की व्यवस्था भूल जाते हैं। राजभर ने अखिलेश से पूछा कि क्या उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का पूरा संविध ान पढ़ा भी है। उन्होंने कहा कि यदि संविधान पढ़ा होता तो उन्हें पता होता कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता। राजभर ने आरोप लगाया कि वोट हासिल करने के लिए मुसलमानों को आरक्षण का "लॉलीपॉप" दिखाया जा रहा है।

पीठ में छुरा घोंपने का रहा है शरद पवार का इतिहास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। परिसीमन संशोधन विधेयक के मुद्दे पर शरद पवार की एनसीपी ने विपक्षी खेमे से अलग रखा है। एनसीपी–एसपी ने घोषणा की है कि वह प्रस्तावित परिसीमन कानून पर बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का समर्थन करेगी। इससे नाराज महाराष्ट्र कांग्रेस ने उस पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस की राज्य इकाई ने शरद पवार और पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले को याद दिलाया कि इस साल की शुरुआत में शरद पवार के राज्यसभा चुनाव के समय कांग्रेस ने उनका समर्थन किया था। वहीं कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने एनसीपी को सत्ता की भूखी बताया। कड़े शब्दों में हमला करते हुए वडेट्टीवार ने कहा कि पवार का लोगों की पीठ में छुरा घोंपने का पुराना इतिहास रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा, ष्ये पानी से बाहर निकली मछली की तरह हो गए हैं। उनकी कोई ठोस विचारधारा नहीं है। हमने पवार को राज्यसभा भेजा था, लेकिन जब लोकतंत्र को बर्बाद करने वालों का इतिहास लिखा जाएगा तो उसमें उनका नाम जरूर शामिल होगा। पवार की पार्टी ने जो किया है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और गलत है। एक्स पर एक पोस्ट में महाराष्ट्र कांग्रेस ने एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार और कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले को याद दिलाया।

योगी सरकार की पहल से सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूती, प्रदेश में 8922 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण पूरा

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और जनसुविधा केंद्रित बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। प्रदेश में उचित दर की दुकानों को आध ुनिक और सुव्यवस्थित स्वरूप देने के उद्देश्य से शुरू की गई अन्नपूर्णा भवन योजना ने उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। खाद्य एवं रसद विभाग की समीक्षा बैठक के लिए तैयार आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में अब तक 8,922 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 2,377 भवन निर्माणाधीन हैं। सरकार की इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में राशन वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाना, लाभार्थियों को सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण में खाद्यान्न उपलब्ध कराना और उचित दर विक्रेताओं के लिए भी बेहतर बुनियादी सुविधाएं विकसित करना है। अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण वित्तीय वर्ष 2023–24 में मनरेगा सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से शुरू किया गया था। निर्धारित डिजाइन के अनुसार प्रत्येक भवन का कुल क्षेत्रफल 484 वर्गफुट रखा गया है। इसमें दो बड़े कक्ष और सामने बरामदे की व्यवस्था है। प्रति भवन निर्माण की निर्धारित लागत 8.462 लाख रुपये है। योजना को विस्तार देने के लिए योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में पहली बार विभागीय बजट से 200 करोड़ रुपये की स्वीकृ ति दी। इसके तहत 71 जनपदों से प्राप्त कार्ययोजनाओं के आधार पर 2,559 अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण के लिए धनराशि आवंटित की गई। सरकार ने इस पहल को और गति देते हुए वित्तीय वर्ष 2026–27 में विभागीय बजट को बढ़ाकर 500 करोड़ रुपये कर दिया है। यह बजटीय विस्तार प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023–24 में 3,808 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण पूरा हुआ, जबकि 2024–25 में 3,502 भवन पूर्ण हुए।



समुद्री मार्गों की सुरक्षा देशों की आर्थिक खुशहाली से जुड़ी है – राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज शनिवार को कहा कि आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में समुद्री क्षेत्र का महत्व लगातार बढ़ रहा है और वैश्विक व्यापार का एक बड़ा हिस्सा समुद्री मार्गों से होता है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहा है। केरलम में एझिमाला स्थित भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए) की 'पासिंग आउट' परेड को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि समुद्री मार्गों की सुरक्षा देशों की आर्थिक खुशहाली और उनके लोगों के रोजमर्रा के जीवन से गहराई से जुड़ी है। उन्होंने कहा, ''आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में समुद्री क्षेत्र का महत्व लगातार बढ़ रहा है। वैश्विक व्यापार का एक बड़ा हिस्सा समुद्र के रास्ते होता है। इसलिए समुद्री मार्गों की सुरक्षा देशों की आर्थिक खुशहाली और उनके लोगों के रोजमर्रा के जीवन से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि जहाजों की आवाजाही में किसी भी तरह की बाधा से जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, लागत बढ़ सकती है और अंततः आम नागरिकों पर अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। उन्होंने नौसैन्य कर्मियों से कहा, ''आपको याद रखना चाहिए कि समुद्र में आपकी सेवा भारत के लोगों के जीवन से जुड़ी है। यह उनकी सुरक्षा, समृद्धि और खुशहाली में सीधे योगदान देती है।'' राष्ट्रपतिम मुर्मु ने आगे कहा कि भारत अपनी स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को भी लगातार मजबूत कर रहा है और देश के 'शिपयार्ड' में अब बड़ी संख्या में जहाजों तथा पनडुब्बियों का डिजाइन तैयार किया जा रहा है एवं उनका निर्माण हो रहा है।



नए डिलिमिटेशन से विधानसभाओं में बढ़ेगा जन–प्रतिनिधित्व – अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को 132वें संविधान संशोधन विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल से मिली मंजूरी का स्वागत किया। उन्होंने इसे शासन को लोगों के और करीब लाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। एक्स पर एक पोस्ट में, शाह ने कहा कि इस विधेयक में अनुच्छेद 170(1) में संशोधन का प्रस्ताव है, ताकि राज्य विधानसभाओं में सीटों की अधिकतम संख्या को 500 से बढ़ाकर लगभग 650 किया जा सके। मंत्री ने ट्वीट किया कि मोदी जी के नेतृत्व में 132वें संविधान संशोधन विधेयक को कैबिनेट की मंजूरी मिलना, देश के सभी राज्यों में लोगों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने और शासन को लोगों के और करीब लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसमें अनुच्छेद 170(1) में संशोधन का प्रस्ताव भी है, ताकि राज्य विधानसभाओं में सीटों की अधिकतम संख्या को 500 से बढ़ाकर लगभग 650 किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस कदम से उत्तर प्रदेश को फायदा होगा, क्योंकि इससे उसे विभाजित हुए बिना विधानसभा में अपना प्रतिनिधित्व बढ़ाने का मौका मिलेगा। उन्होंने आगे लिखा कि इस प्रावधान से उत्तर प्रदेश को बिना विभाजित हुए विधानसभा में अपना प्रतिनिधित्व बढ़ाने का मौका मिलेगा। साथ ही, महिलाओं के लिए एक–तिहाई आरक्षण से राज्य की महिलाओं को अब तक का सबसे बड़ा प्रतिनिधित्व मिल सकेगा। अधि ाक निर्वाचित प्रतिनिधि अपने–अपने निर्वाचन क्षेत्रों की प्राथमिकताओं को विधानसभा में रख सकेंगे।



सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दीपाथून में फिर जले दीप, पीएम मोदी बोले– भगवान मुरुगन की जय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ततमिलनाडु के मदुरै जिले की तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित दीपथून स्तंभ पर दोबारा दीप प्रज्वलित करने का सुप्रीम कोर्ट का आदेश मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भगवान मुरुगन का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने तमिल में पोस्ट किया, "भगवान मुरुगन की जय भगवान मुरुगन की जय। भगवान मुरुगन की जय।" सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक बार फिर निर्देश दिया कि शनिवार को दीपाथून में कार्तिकई दीपम का दीप प्रज्वलित किया जाए। कोर्ट ने पाया कि तमिलनाडु के अधि ाकारियों ने विवादित स्तंभ पर अनुष्ठान की अनुमति देने वाले अपने पूर्व आदेश का प्रथम दृष्टया 'जानबूझकर उल्लंघन' किया था। 20 नवंबर के आदेश में कार्तिकई दीपम उत्सव के दिन 24 नवंबर को दीपाथून में दीप प्रज्वलित करने की अनुमति दी गई थी, हालांकि इसके बजाय पारंपरिक उची पिल्लैयार मंडपम में दीप प्रज्वलित किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार और मंदिर अधि ाकारियों पर कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि गैर–अनुपालन खुलेआम और जानबूझकर अवज्ञा के बराबर है। कोर्ट ने चेतावनी दी कि इस स्थिति से संवैधानिक अराजकता फैल सकती है और कहा कि ऐसे मामलों से सख्ती से निपटने का समय आ गया है। इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए इसे भगवान मुरुगन के भक्तों के लिए एक ऐतिहासिक विजय बताया। नितिन नवीन ने शुक्रवार को तिरुपरंकुंद्रम दीपथून में दीप प्रज्ज्वलन के निर्देश देने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत करते हुए इसे भगवान मुरुगन के प्रत्येक भक्त के लिए एक ऐतिहासिक विजय और भारत की पवित्र परंपराओं को बनाए रखने के उनके अधिकार की पुष्टि बताया। नवीन ने कहा कि पहाड़ी पर स्थित दीपथून में दीप प्रज्ज्वलन की सुविध ाा प्रदान करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश से यह पुनः सिद्ध होता है ।



जम्मू कश्मीर का विलय देश की आत्मा को सुरक्षित रखने का संकल्प - राजनाथ सिंह

जम्मू कश्मीर, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को जम्मू कश्मीर को भारत का 'मुकुट मणि' बताते हुए कहा कि इसका देश में विलय महज एक भौगोलिक क्षेत्र के एकीकरण का मामला नहीं था बल्कि यह भारत की आत्मा, भावना, एकता और अखंडता को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता था। सिंह ने यहां लोक भवन के पास पंजतीर्थी चौक से परेड चौक स्थित ब्राह्मण सभा तक करीब एक किलोमीटर लंबी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा का नेतृत्व करने के बाद एक रैली को संबोधित किया और वोट चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने पार्टी के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह अपने आरोपों को साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय साक्ष्य पेश करने में विफल रही है। सिंह ने कहा, "जम्मू कश्मीर भारत का 'मुकुट मणि' होने के साथ–साथ देश की शान एवं गौरव है। इसलिए, भारत में इसका विलय महज एक भौगोलिक क्षेत्र के एकीकरण का सवाल नहीं था, बल्कि यह भारत की आत्मा, भावना, एकता और अखंडता को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता था।" रक्षा मंत्री ने भाजपा की राजनीतिक यात्रा में जम्मू कश्मीर के ऐतिहासिक महत्व को याद करते हुए क्षेत्र के भारत में पूर्ण विलय के लिए संघर्ष करने वाले पंडित प्रेमनाथ डोगरा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने क्षेत्र से श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा दिए गए नारे एक देश, एक विधान, एक निशान का भी उल्लेख किया। सिंह ने कहा कि बड़ी संख्या में जम्मू कश्मीर के लोगों ने देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया है। उन्होंने सर्वोच्च बलिदान देने वाले लोगों को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा, "जहां पूरा देश चौतरफा विकास देख रहा है, वहीं जम्मू कश्मीर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।" सिंह ने कहा कि क्षेत्र को विकास, अधिकारों और अवसरों में उसका उचित हिस्सा मिलना चाहिए। इससे पहले, जम्मू हवाई अड्डे पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और भाजपा नेताओं ने राजनाथ सिंह का स्वागत किया।



सायोनी घोष से यूसुफ पठान तक, परिसीमन बिल पर वोट डाल सकेंगे टीएमसी के 20 बागी सांसद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। परिसीमन विधेयक को लेकर संसद में सियासी गतिविधियां तेज हैं। इसी बीच तृणमूल कांग्रेस (ज्डब्) से अलग हुए 20 सांसदों के मतदान अधिकार को लेकर स्थिति स्पष्ट होती नजर आ रही है। लोकसभा सचिवालय के सूत्रों के मुताबिक, अयोग्यता की याचिकाएं लंबित होने के बावजूद ये सांसद संसद के आगामी विशेष सत्र में अपनी इच्छा के अनुसार वोट कर सकेंगे। इनमें सायोनी घोष और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान समेत कई चर्चित नाम शामिल हैं।संसद में परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर मतदान के दौरान इन सांसदों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। हालांकि, उनके वोट का अंतिम राजनीतिक असर सदन में मौजूद सदस्यों और मतदान के समय की स्थिति पर निर्भर करेगा।यह मामला तब चर्चा में आया, जब टीएमसी की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने 20 सांसदों की सदस्यता और मतदान अधिकार को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा था कि इन सांसदों के खिलाफ अयोग्यता की याचिकाएं दायर हुए छह महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक कोई अंतिम निर्णय नहीं आया है। लोकसभा सचिवालय के सूत्रों के अनुसार, किसी सांसद को तब तक सदन में मतदान करने से नहीं रोका जा सकता, जब तक उसे औपचारिक रूप से अयोग्य घोषित नहीं कर दिया जाता। केवल याचिका लंबित होने से उसकी सदस्यता या संसदीय अधिकार अपने आप समाप्त नहीं होते।



अश्वपरेशन नन्हे फरिश्ते और आपरेशन गरिमा के तहत आरपीएफ कैंट ने दो दर्जन से अधिक बिछड़े लोगों को परिजनों से मिलाया

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।कैंट रेलवे स्टेशन पर भटकते,घर से नाराज होकर निकले अथवा बेसहारा बच्चों और लोगों को सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचाने में आरपीएफ लगातार सराहनीय भूमिका निभा रहा है।अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने इस वर्ष जनवरी से अब तक ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते और ऑपरेशन डिग्निटी (गरिमा) के तहत दो दर्जन से अधिक बच्चों, महिलाओं और पुरुषों को उनके परिजनों से मिलाकर राहत पहुंचाई है।आरपीएफ अयोध्या कैंट प्रभारी निरीक्षक हरीश शाही ने बताया कि जनवरी से अब तक ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत करीब दो बालिकाओं और 16 बालकों को सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचाया गया है। वहीं, ऑपरेशन डिग्निटी (गरिमा) के तहत आधा दर्जन महिलाओं और दो पुरुषों को उनके परिवार से मिलाया गया।बताया कि इस तरह दोनों अभियानों के तहत कुल 26 लोगों को उनके अपनों तक पहुंचाने में आरपीएफ ने मदद की।बताया कि कई बार बच्चे किसी बात को लेकर परिजनों से नाराज होकर घर छोड़ देते हैं,जबकि कुछ बच्चे और महिला–पुरुष मानसिक रूप से अस्वस्थ होने, असहाय स्थिति या अन्य कारणों से रेलवे स्टेशन के आसपास भटकते मिलते हैं।ऐसी परिस्थितियों में उनके साथ किसी अनहोनी की आशंका बनी रहती है।इसी को देखते हुए आरपीएफ समय–समय पर रेलवे स्टेशन परिसर और आसपास चेकिंग अभियान चलाती है। अभियान के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में भटकते बच्चे अथवा महिला–पुरुष मिलने पर उन्हें आरपीएफ कार्यालय लाया जाता है।पूछताछ और आवश्यक काउंसलिंग के बाद उनके परिजनों से संपर्क किया जाता है।परिजनों के कार्यालय पहुंचने पर संबंधित व्यक्ति अथवा बच्चों को सुरक्षित उनके सुपुर्द कर दिया जाता है।



खरगे ने डिलिमिटेशन बिल को बताया लोकतंत्र के लिए खतरा , कहा– सत्ता पर पूरा नियंत्रण चाहते हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रस्तावित परिसीमन विधेयक (डिलिमिटेशन बिल) को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह संसदीय सीटों की संख्या बढ़ाकर अपनी सत्ता को मजबूत करना चाहती है और देश की राजनीतिक व्यवस्था पर अपना नियंत्रण और अधिक बढ़ाना चाहती है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, खड़गे ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार लोकसभा में सीटों की संख्या बढ़ाकर हमेशा के लिए सत्ता में बने रहना चाहती है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं ने मिलकर यह तय किया है कि मोदी सरकार द्वारा लाया जा रहा संवैधानिक संशोधन विधेयक लोकतंत्र के लिए एक बड़ा खतरा है। यह खतरा इसलिए है क्योंकि लोकतंत्र को खत्म करने और पूरी सत्ता अपने हाथ में लेने की कोशिश में, अब वे श्800 पारश का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। इससे पहले, उन्होंने चुनावों में श्400 पारश का लक्ष्य रखा थाकृजो अब पीछे छूट गया है। अब, सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करके, प्रधानमंत्री मोदी सत्ता पर पूरा नियंत्रण चाहते हैं। खरगे ने आगे कहा कि इसके अलावा, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के हितों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया हैय यह अन्याय है... किसी भी राज्य लिए आरक्षित सीटों की संख्या, उस राज्य में उनकी आबादी के अनुपात में होनी चाहिए। नतीजतन, अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या बढ़नी चाहिएय लेकिन प्रस्तावित संशोधन में इसके लिए कोई प्रावध ाान नहीं है। साथ ही, 2026 की जनगणना भी आने वाली है, फिर भी वे इस पर पूरी तरह चुप हैं। अगर वे सीटों का बंटवारा नवीनतम जनगणना के आंकड़ों के आधार पर करते, तो समुदायों को स्वाभाविक रूप से अधि ाक सीटें मिलतीं, जो उनकी बढ़ी हुई आबादी को दर्शातीं। इसके बजाय, उनके संशोधन की शर्तों को देखकर ऐसा लगता है कि वे समुदायों को उनका हक देने से रोकना चाहते हैं, और साथ ही अपने तात्कालिक हितों को साधने वाले एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। खरगे ने कहा कि वही दागदार चुनाव आयो जिसने मतदाता सूची से 10 करोड़ से ज़्यादा लोगों के नाम हटा दिए हैं।



संपादकीय

आम सहमति बनने तक

परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए दो तिहाई बहुमत जुटाने के क्रम में भाजपा ने जो तरीके अपनाए, उन्होंने संदेह और बढ़ाया है। कांग्रेस के परिसीमन संबंधी चार सूत्री प्रस्ताव को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। लोकसभा सीटों के परिसीमन का प्रश्न लोकतांत्रिक व्यवस्था की साख के सामने एक बड़ा सवाल बन कर खड़ा हो गया है। केंद्र के यह एलान करने के बाद कि सभी राज्यों की सीटें समान अनुपात में बढ़ेंगी, दक्षिणी राज्यों की चिंताएं घटी हैं, लेकिन परिसीमन के जरिए चुनाव क्षेत्रों को सत्ताधारी दल के अनुरूप ढालने के अंदेशे गंभीर होते जा रहे हैं। असम में विधानसभा सीटों के परिसीमन का जो तजुर्बा रहा, उनसे राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दलों के लिए दीर्घकालिक प्रतिकूल परिस्थितियां बनने की आशंका अधिक ठोस लगने लगी है। परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए संसद में दो तिहाई बहुमत जुटाने के क्रम में भाजपा ने जो तरीके अपनाए हैं, उन्होंने संदेह और बढ़ाया ही है। कांग्रेस के परिसीमन संबंधी चार सूत्री प्रस्ताव को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। केंद्र को इन पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उसे ध्यान में रखना चाहिए कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित गंभीर आरोपों और चुनाव संचालन संबंधी अन्य चिंताओं ने चुनाव प्रणाली को लेकर पहले ही अविश्वास की गहरी खाई बना रखी है। अब परिसीमन का रास्ता रोड–रोलर तरीके से साफ किया गया, तो उसका बेहद खराब असर होगा। अतरू कांग्रेस की मांगों को फिलहाल मान लेना सही नजरिया होगा। कांग्रेस ने लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को यथावत बनाए रखने, राज्यों के बीच सीटों के वर्तमान अनुपात में फेरबदल ना करने, और मौजूदा सीट ढांचे के भीतर ही महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण (लगभग 182 सीटें) लागू करने का सुझाव दिया है। इनके साथ उसने परिसीमन की बहस को 25 वर्ष के लिए टाल देने की मांग भी की है। अगर यह अवधि ा ज्यादा है, तो इसे बदल कर राजनीतिक आम सहमति बनने तक के लिए इस बहस को टाला जा सकता है। यह फॉर्मूला मान लेने से महिलाओं के लिए आरक्षण का मकसद हासिल हो जाएगा, जबकि चुनाव प्रणाली को और अविश्वास का शिकार होने से बचा लिया जाएगा। जबकि रहस्य और संदेह के वातावरण में अगर सरकार ने आगे बढ़ने की कोशिश की, तो उससे निर्वाचन प्रणाली की साख पर बेहद गहरी चोट पहुंचेगी।

भजनलाल शर्मा के हाथ से तेजी से फिसल रही सरकार



नीरज

राजस्थान की सियासत में इन दिनों भाजपा के लिए हालात कुछ ऐसे बनते जा रहे हैं कि सत्ता की कुर्सी जयपुर में जरूर है, लेकिन जनता का भरोसा धीरे–धीरे हाथ से फिसलता दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा को एक के बाद एक चुनावी झटके लग रहे हैं। लोकसभा चुनाव में लगा झटका, शहरी निकायों में कमजोर पड़ती पकड़ और अब पंचायत समिति तथा जिला परिषद चुनावों में कांग्रेस के हाथों मिली करारी शिकस्त ने राजनीतिक गलियारों में बेचैनी बढ़ा दी है। पंचायत चुनाव के नतीजे तो भाजपा के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं हैं। ग्रामीण राजस्थान ने जिस तरह कांग्रेस के पक्ष में अपना फैसला सुनाया है, उसने भाजपा के सत्ता और संगठन दोनों की कलई खोलकर रख दी है। 37 जिलों में घोषित नतीजों में कांग्रेस ने 3,701 पंचायत समिति सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि भाजपा महज 2,181 सीटों पर सिमट गई। जिला परिषद चुनावों में भी कांग्रेस ने 599 सीटें हासिल कीं, जबकि भाजपा को 301 सीटों से संतोष करना पड़ा। पंचायत समिति चुनाव में 37 में से 33 जिलों में कांग्रेस भाजपा से आगे रही। यानी जिस राजस्थान में भाजपा सरकार चला रही है, उसी राजस्थान के गांवों में पार्टी को मतदाताओं ने सिरे से नकारने का संदेश दे दिया है। यही नहीं, जिला प्रमुखों के चुनाव में भी कांग्रेस ने 37 में से 24 पदों पर कब्जा जमाया, जबकि भाजपा को सिर्फ 10 जिला प्रमुख पद मिले। भारत आदिवासी पार्टी ने बांसवाड़ा और डूंगरपुर में दो जिला प्रमुख पद हासिल किए, जबकि हनुमान बेनीवाल की आरएलपी को नागौर में एक पद मिला। यह नतीजा बताता है कि ग्रामीण राजस्थान में भाजपा के सामने चुनौती केवल कांग्रेस की नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय दल भी अपने प्रभाव वाले इलाकों में मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं। देखा जाये तो यह कोई मामूली हार नहीं है। खास बात यह है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह जिले भरतपुर में भी कांग्रेस ने भाजपा को पीछे छोड़ दिया। जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, सीकर और दौसा जैसे इलाकों में कांग्रेस की बढ़त ने भाजपा की रणनीति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजधानी जयपुर में कांग्रेस ने पंचायत समिति की 216 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा केवल 87 पर रह गई। जोधपुर में कांग्रेस 195 और भाजपा 81 सीटों पर रही। सवाल उठ रहा है कि आखिर सरकार के तीन साल के कार्यकाल में ऐसा क्या हुआ कि भाजपा का अपना ग्रामीण आधार उससे दूर होता चला गया? देखा जाये तो इस सवाल का जवाब केवल विपक्ष की मजबूती में तलाशना गलत होगा। असली सवाल मुख्यमंत्री के नेतृत्व, सरकार की कार्यशैली और संगठन के साथ उनके तालमेल का है। भजनलाल शर्मा के सामने चुनौती यह थी कि वे अशोक गहलोत सरकार के बाद सत्ता में आई भाजपा के पक्ष में बनी उम्मीदों को जमीन पर उतारते। लेकिन चुनाव दर चुनाव नतीजे बताते हैं कि सरकार उस उम्मीद को राजनीतिक समर्थन में बदलने में सफल नहीं हो पा रही है। लोकसभा चुनाव 2024 ने भाजपा के लिए पहली बड़ी चेतावनी दी थी। 2019 में राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीटें जीतने वाली भाजपा 2024 में घटकर 14 सीटों पर आ गई। कांग्रेस ने आठ सीटें जीतीं, जबकि हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और भारत आदिवासी पार्टी ने भी एक–एक सीट हासिल की। यह साफ संकेत था कि राजस्थान में भाजपा का एकछत्र राजनीतिक दबदबा अब पहले जैसा नहीं रहा। हालांकि विधानसभा उपचुनावों में तस्वीर भाजपा के पक्ष में रही थी। नवंबर 2024 में सात सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने पांच सीटें जीती थीं। इसी तरह सितंबर 2026 के शहरी निकाय चुनावों में भी भाजपा 4,179 वार्ड जीतकर कांग्रेस के 3,613 वार्डों से आगे रही थी। लेकिन इन चुनावों में निर्दलीयों की 2,273 सीटें और मुख्यमंत्री के गृहक्षेत्र भरतपुर में निर्दलीयों का दबदबा भाजपा के लिए चिंता का विषय था। इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम में सबसे दिलचस्प बात यह है कि भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबले में तीसरी ताकतें भी लगातार अपनी जमीन मजबूत कर रही हैं। हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने पंचायत समिति चुनाव में 496 सीटें और जिला परिषद में 37 सीटें जीतकर अपनी मौजूदगी का अहसास कराया है। वहीं आदिवासी बहुल इलाकों में भारत आदिवासी पार्टी ने पंचायत समिति की 276 और जिला परिषद की 22 सीटें जीतकर अपनी ताकत दिखाई है। यह आंकड़े बताते हैं कि राजस्थान की राजनीति अब केवल भाजपा बनाम कांग्रेस का मुकाबला नहीं रह गई है। नागौर और पश्चिमी राजस्थान में हनुमान बेनीवाल का प्रभाव और दक्षिण राजस्थान में बीएपी का विस्तार दोनों राष्ट्रीय दलों के लिए चुनौती बन रहा है। इन पार्टियों ने यह भी दिखा दिया है कि स्थानीय मुद्दों, जातीय समीकरणों और क्षेत्रीय नेतृत्व की ताकत के सामने बड़े दलों का चुनावी गणित भी बिगड़ सकता है। भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए यह आईना है कि केवल बड़े नेताओं के नाम और चुनावी नारों के सहारे गांवों की राजनीति नहीं जीती जा सकती। आइये देखते हैं क्या कह रहे हैं हनुमान बेनीवाल। बाइट। उध ार, भाजपा के भीतर की उठापटक ने भी सरकार की मुश्किलें बढ़ा रखी हैं। पंचायत चुनाव में हार के बाद कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा का बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया। उन्होंने हरियाणा का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां मनोहरलाल खट्टर को हटाकर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया गया और उसके बाद भाजपा ने प्रचंड बहुमत से वापसी की। उनके इस बयान को राजस्थान में भी मुख्यमंत्री बदलने की जरूरत से जोड़कर देखा गया। सवाल उठा कि आखिर सत्ता में बैठी सरकार का एक वरिष्ठ मंत्री मुख्यमंत्री बदलने का उदाहरण क्यों दे रहा है? सवाल उठा कि क्या यह महज राजनीतिक टिप्पणी थी या फिर पार्टी के भीतर चल रही नाराजगी का इशारा? हालांकि बयान पर विवाद बढ़ा तो किरोड़ीलाल मीणा ने सफाई दी कि उनके कहने का गलत अर्थ निकाला गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2028 का विधानसभा चुनाव भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा और भाजपा फिर से प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। बाइट। वैसे किरोडी लाल मीणा अब चाहे जो कहें लेकिन सवाल यह है कि यदि मुख्यमंत्री का नेतृत्व इतना ही प्रभावी है तो फिर उनकी सरकार के तीन साल पूरे होने से पहले ही नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाएं क्यों उठने लगीं? सरकार के भीतर सब कुछ ठीक होता तो ऐसे बयान राजनीतिक बहस का हिस्सा ही क्यों बनते? दरअसल, राजस्थान भाजपा की सबसे बड़ी परेशानी यही दिखाई दे रही है कि सरकार और संगठन के बीच राजनीतिक तालमेल का अभाव है। एक तरफ मुख्यमंत्री को अपनी नेतृत्व क्षमता साबित करनी है, दूसरी तरफ वरिष्ठ नेताओं की अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हैं। किरोड़ीलाल मीणा जैसे कद्दावर मंत्री के बयान और फिर उनकी सफाई ने इस अंदरूनी खींचतान को सार्वजनिक कर दिया है। ऊपर से चुनावी नतीजों ने पार्टी की परेशानी और बढ़ा दी है। अब कांग्रेस के लिए भी यह स्थिति किसी राजनीतिक संजीवनी से कम नहीं है। अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच पुराने मतभेदों के बावजूद पंचायत चुनावों ने कांग्रेस को गांवों में दोबारा खड़ा होने का मौका दिया है।

पुतिन की बढ़ती अहमियत की है वजह

उमेश

एशिया–प्रशांत आर्थिक सहयोग यानी एपेक की चीन के शहर शेनजेन में हुई शिखर बैठक वैश्विक परिघटना तो है ही, लेकिन इस बैठक के हिस्से एक और खासियत जुड़ गई है। इस दौरान तीन शीर्ष आर्थिक और सामरिक शक्तियों यानी अमेरिका, चीन और रूस के शिखर नेतृत्व का एक साथ आना भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। लेकिन यह बैठक एक और कारण से खास बन गई। यूक्रेन युद्ध के चलते अमेरिका की आंख की किरकिरी रहे रूसी राष्ट्रपति पुतिन की ओर इस बार सबका ध्यान रहा। पुतिन से चीन की नजदीकी तो पहले से ही है, लेकिन इस बार अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भी उनके साथ सहज दिखने और होने का प्रयास करते नजर आए। इसे पुतिन की आक्रामक विदेश नीति की सफलता के तौर पर देखा जाना स्वाभाविक है। अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के कुछ महीने पहले तक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप रूसी कच्चे तेल के आयात को लेकर भारत और चीन को धमकाते रहे। उन्होंने दोनों देशों के खिलाफ टैरिफ युद्ध भी छेड़ दिया। इससे चीन का अमेरिकी निर्यात घटा। चीन भले ही खुलकर स्वीकार न कर रहा हो, लेकिन अमेरिकी टैरिफ हमले के बाद चीन की फैक्टरियों के माल की मांग घट गई है। इसकी वजह से उन्हें अपना उत्पादन घटाना पड़ा। जिसके चलते चीन में बेरोजगारी भी बढ़ी है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने को लेकर वैश्विक दबाव बनाने की कोशिश जारी रखी। इसके बावजूद चीन ने रूस से कच्चे तेल का आयात जारी रखा। चीन अपने कुल कच्चे तेल की आपूर्ति का करीब 21.5 प्रतिशत हिस्सा रूस से ही मंगाता है। परिमाण के हिसाब से देखें तो यह आयात करीब 16 लाख से 24 लाख बैरल तक रोजाना रहा है। चूंकि वैश्विक तेल बाजार के लिहाज से रूसी कच्चा तेल सस्ता है, लिहाजा सिर्फ चीन ही नहीं, भारत ने भी वहां से तेल का आयात जारी रखा। तेल की कीमतों पर ओपेक देश नियंत्रण रखते हैं। लेकिन रूस इस नियंत्रण से खुद को बाहर रखे हुए है। चूंकि यूक्रेन से युद्ध के चलते रूस पर आर्थिक दबाव बना हुआ है। ऐसे में रूस को आर्थिक जरूरतों के लिए अपने तेल को वैश्विक बाजार की तुलना में सस्ती दरों पर आपूर्ति करना ही था। रूस के मुकाबले में खड़े यूक्रेन को जहां ब्रिटेन, फ्रांस और नीदरलैंड खुलकर हथियार और आर्थिक सहयोग दे रहे हैं, वहीं जर्मनी आर्थिक सहयोग जारी रखे हुए है। दुनिया की तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और हथियार निर्यातकों से मिल रहे सहयोग की बदौलत ही यूक्रेन की सेनाएं दुनिया के दूसरे नंबर की सैनिक ताकत रूस का मुकाबला कर पा रहा है। इस लिहाज से देखें तो पुतिन परोक्ष रूप से पूरे यूरोप का मुकाबला कर रहे हैं। यूक्रेन को अमेरिका का भी सहयोग रहा है। लेकिन वही अमेरिका अगर पुतिन के साथ शेनजेन में मंच साझा करने को मजबूर हुआ है तो निश्चित रूप से इससे पुतिन की ताकत और अहमियत का संकेत मिलता है। नवंबर के पहले हफ्ते में हुए अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के दोनों सदनों में बहुमत गंवाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का सुर बदला नजर आ रहा है। जिस रूसी राष्ट्रपति को कभी वे झुकाने की कोशिश करते थे, जिस रूस से तेल आयात करने वाले देशों के ट्रंप धमकाते रहते थे, उसी रूस के राष्ट्रपति के साथ वे गलबहियां करते दिख रहे हैं। वैश्विक कूटनीति के जानकार भी मान रहे हैं कि चीन और अमेरिका के शीर्ष नेतृत्व के साथ पुतिन की सीधी बातचीत और एशियाई बाजारों में रूस के बढ़ता व्यापार पुतिन के कूटनीतिक प्रभाव का विस्तार है। इसका यह मतलब नहीं है कि यूक्रेन संकट और वैश्विक शक्ति संतुलन की चुनौतियां खत्म हो गई हैं। चीन के शेनजेन में आयोजित अपेक शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सक्रियता और वैश्विक नेताओं के साथ उनकी बैठकों को लेकर वैश्विक मंच पर उनकी भूमिका को लेकर नई चर्चाएं भी उनकी अहमियत को ही दर्शाती हैं। बीबीसी और न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्टों के मुताबिक, शेनजेन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई त्रिपक्षीय बैठक बड़ी कूटनीतिक घटनाक्रम है। इन रिपोर्टों के मुताबिक, रूस को फिर से प्रमुख महाशक्तियों के समूह में शामिल करने की ट्रंप की कोशिश और पुतिन को अपना श्दोस्तश बताने से रूस को अलग–थलग करने की कोशिशें एक तरह से ध्वस्त हो गई हैं। इस बैठक के दौरान संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक सुरक्षा को लेकर तीनों नेताओं के बीच चर्चा हुई। चीन के आधिकारिक बयानों के अनुसार, इस बैठक में तीनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र में सुधारों का समर्थन करने, ईंधन की आपूर्ति बढ़ाने और परमाणु हथियारों से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई। वैश्विक स्तर पर पुतिन की स्वीकार्यता और महत्ता स्थापित करने के पीछे एशिया–प्रशांत क्षेत्र में रूस का बढ़ता व्यापार भी एक बड़ा कारण बनकर उभरा है। अभी हाल ही में पुतिन ने

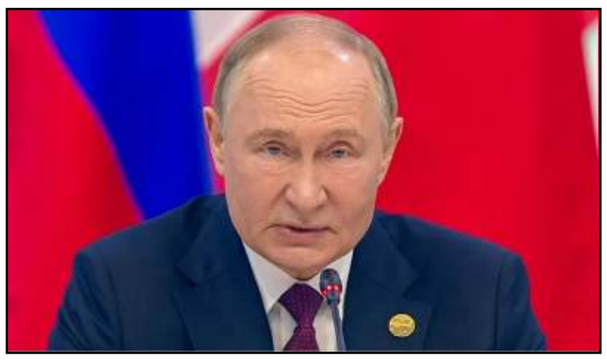

कुछ बयान दिए थे, जिनके अनुसार वर्ष 2026 के शुरुआती आठ महीनों में एशिया–प्रशांत देशों के साथ रूस के व्यापार में करीब एक तिहाई की बढ़त हुई है। ऊर्जा, अनाज और उर्वरकों की आपूर्ति के जरिए रूस स्वयं को एशिया–प्रशांत क्षेत्र में खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा के अहम स्तंभ के रूप में पेश कर रहा है। बेशक भारत और रूस पारंपरिक दोस्त हैं। लेकिन पुतिन की निगाह भारत के विशाल मध्यवर्ग केंद्रित बाजार पर है। इसके साथ यूरेशिया के बाजारों में भी अमेरिका और यूरोप के देशों की तरह आक्रामक घुसपैठ करने की कोशिश में हैं। पुतिन चाहते हैं कि अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के देशों के माल की तरह यूरोप और एशिया के साथ ही भारत के बाजारों में रूस का माल भी जमकर पहुंचे। पुतिन चाहते हैं कि रूस का भारत समेत यूरोप, मध्य एशिया और भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता हो और रूसी सामानों की इन देशों के बड़े बाजारों तक पहुंच हो। हालांकि जर्नल ऑफ डेमोक्रेसी जैसे कुछ राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पुतिन की विदेश नीति और आक्रामक कारोबारी रुख के पीछे घरेलू सत्ता को सुरक्षित रखना और पश्चिमी प्रभाव को संतुलित करना है। इसके जरिए वे अपनी सत्ता पर पकड़ बनाए रखना चाहते हैं। रूस और पुतिन को लेकर ट्रंप की सोच में आ रहे बदलाव और वैश्विक मंचों पर पुतिन को अहमियत देने की एक वजह उन्हें अमेरिका में घरेलू मोर्चे पर खुद को प्रभावी दिखाने की कोशिश भी मानी जा रही है।

भारत आर्थिक तबाही के मुहाने पर है?

अजीत द्विवेदी

यह बात राहुल गांधी ने कही है। मंगलवार, 17 नवंबर को न्यूयॉर्क में कोलंबिया यूनिवर्सिटी में छात्रों के साथ संवाद के दौरान अमेरिकी पत्रकार लिडिया पोलग्रीन के साथ बातचीत करते हुए राहुल गांधी ने भारत के मौजूदा आर्थिक मॉडल की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था श्डिजास्टरश्च यानी तबाही की कगार पर बैठी है। इससे पहले जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की अर्थव्यवस्था का मजाक उड़ाते हुए इसे श्डेड इकोनॉमीश्च कहा था तब भी राहुल ने उनके इस बयान को इंडोर्स किया था। तभी सवाल है कि क्या सचमुच भारत का ऑर्थिक मॉडल बहुत खराब है? अगर खराब है तो क्या एनडीए की मौजूदा सरकार इस मॉडल को लेकर आई है या यह भारत में पहले से चल रहे ऑर्थिक मॉडल की निरंतरता है? और क्या सचमुच भारत की अर्थव्यवस्था श्डिजास्टरश्च की कगार पर है और कभी भी तबाह हो सकती है? इन सवालों के जवाब आसान नहीं हैं। अगर राजनीतिक पैमाने पर अच्छे और बुरे की बाइनरी में देखेंगो तो निष्कर्ष आसानी से निकल सकता है। लेकिन वस्तुनिष्ठ तरीके से देखेंगे तो जवाब ब्लैक एंड व्हाइट में हां या नहीं नहीं होगा। राहुल गांध ाी ने अपनी बात कहने का जो आधार बताया है उसमें भी सचाई है। उन्होंने बेरोजगारी और युवाओं की निराशा को एक कारण बताया। उन्होंने कहा कि कि भारत एक गंभीर रोजगार संकट से जूझ रहा है। उनके मुताबिक, देश की मौजूदा विकास दर पर्याप्त रोजगार पैदा करने में विफल रही है, जिससे शिक्षित और मध्यम वर्गीय युवाओं में अपने भविष्य को लेकर गहरा असंतोष है। इससे किसी को इनकार नहीं हो सकता है। हाल के दिनों में युवाओं के जो प्रदर्शन हुए हैं वो इसकी कहानी बयां करते हैं। इसके बाद राहुल गांधी ने दावा किया कि भारत के विनिर्माण सेक्टर की रीढ़ टूट चुकी है और पिछले एक दशक से देश के आर्थिक मॉडल ने अपेक्षित परिणाम देना बंद कर दिया है। उन्होंने एमएसएमई सेक्टर की विफलता का जिक्र किया और कहा कि छोटे व्यवसाय और कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जो सबसे अधिक रोजगार देते हैं, लेकिन मौजूदा सरकार की नीतियों के कारण ये क्षेत्र भारी दबाव में हैं। इससे भी किसी को इनकार नहीं हो सकता है। नवंबर 2016 में हुई नोटबंदी और 2017 में जल्दबाजी में लाई गई जीएसटी की व्यवस्था ने कृषि आधारित रोजगार और एमएसएमई सेक्टर को निश्चित रूप से कमजोर किया। इससे कोई इनकार नहीं कर सकता है कि मौजूदा सरकार ने एकाधिकार वाले मॉडल की अर्थव्यवस्था बनवाई है। बड़े कॉरपोरेशन बनाने के नाम पर चुनिंदा कंपनियों को आगे बढ़ाया है। इससे प्रतिस्पर्धा कम हुई है, जिसकी कीमत आम लोगों को चुकानी पड़ रही है। राहुल गांधी के बयानों के जवाब में भाजपा के नेता जो बयान दे रहे हैं वह बहुत सतही और काफी हद तक अनर्गल है। वे सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना को देश का विरोध कह रहे हैं। ऐसा नहीं है। राहुल गांधी भारत के खिलाफ दुष्प्रचार नहीं कर रहे थे। अगर वे आर्थिक नीतियों, रोजगार की स्थिति और शिक्षा व्यवस्था की खामियों की चर्चा किसी बौद्धिक विमर्श में करते हैं तो इसे भारत विरोधी नहीं कहा जा सकता है। ज्यादा से ज्यादा उनके शब्दों के चयन पर सवाल उठा सकते हैं और इसे अतिशयोक्ति कह सकते हैं। ध्यान रहे राहुल गांधी सरकार की आलोचना करते हुए हमेशा अतिशयोक्ति अलंकार में बात करते हैं। वे आलोचना को वस्तुनिष्ठ रखने का प्रयास नहीं करते हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था की जो कमियां हैं वो अपनी जगह हैं। लेकिन कुछ चीजों में सुधार भी हो रहा है। जो चीजें सुधर रही हैं उनमें यूपीए के शासन में मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए किए गए प्रयासों का भी योगदान है। स्टैनली मॉर्गन ने भारत को उस समय तुर्की, इंडोनेशिय, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ श्फ्रेजाइल फाइव्य अर्थव्यवस्था में रखा था। मनमोहन सिंह की नीतियों के कारण भारत 2014 में ही इससे बाहर निकल गया। उसके बाद बहुत सारी चीजें ठीक दिशा में आगे बढ़ी हैं। बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ा है और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी संरचना का विकास हुआ है। दुनिया के देशों के साथ भारत का व्यापार अब भी घाटे वाला है लेकिन निर्यात में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। अक्टूबर में वस्तुओं का निर्यात 50 अरब डॉलर का रहा। वस्तु व सेवाओं का निर्यात 90 अरब डॉलर का रहा। अक्टूबर में निर्यात और आयात का अंतर घट कर 20 अरब डॉलर रह गया। कह सकते हैं कि भारत भले एआई की क्रांति में पिछड़ गया है लेकिन दूसरी कई चीजों में भारत का निर्यात बढ़ा है, जिसमें रक्षा उत्पादन भी एक है। अप्रैल 2026 की अपनी रिपोर्ट में विश्व बैंक ने बताया है कि वैश्विक व्यापार तनावों के बावजूद वित्त वर्ष 2025–26 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की वृद्धि दर 7.6 फीसदी रही। इसी तरह, अक्टूबर 2026 की अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ की रिपोर्ट भी इसकी पुष्टि करती है। जिन पैमानों पर स्टैनली मॉर्गन ने भारत को श्फ्रेजाइल फाइव्य अर्थव्यवस्था में रखा था उनमें एक पैमाना चालू खाते का घाटा था।

23 साल पहले अटल सरकार ने जो फैसला बदला था, आज मोदी सरकार उसी राह पर आगे



अभिनय

हमारे देश के इतिहास में कुछ ऐसे फैसले लिए जाते हैं, जिससे देश की दशा और दिशा बदल जाती है। कभी भले के लिए तो कभी बुरे के लिए। इंदिरा गांधी के इमरजेंसी, मनमोहन सिंह का आर्थिक उदारीकरण, वाजपेयी का न्यूक्लियर टेस्ट और मोदी की नोटबंदी। लेकिन 26 नवंबर को शाम करीब सात बजे देश के संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू का एक पोस्ट आता है। बताया जाता है कि केंद्र सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से दोनों सदनों को दोबारा बुलाने का अनुरोध किया है। 30 नवंबर को लोकसभा और 2 दिसंबर को राज्यसभा। गौर करने वाली बात ये है कि रिजिजू के पोस्ट में पूरे शीतकालीन सत्र की बजाए दोनों सदनों को दोबारा बुलाने और जरूरी सरकारी काम–काज निपटाने का जिक्र है। यानी प्रस्तावित शेड्यूल के हिसाब से लोकसभा अधिकतम 4 दिन और राज्यसभा 2 दिन चल सकती है। इस ऐलान की टाइमिंग इसलिए अहम है क्योंकि इससे कुछ ही घंटे पहले दिल्ली में संविधान बचाओ प्रदर्शन के दौरा कांग्रेस के संगठन महासचिव और सांसद केसी वेणुगोपाल ने सीधे संसद सत्र पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि 13 अगस्त को संसद का मानसून सत्र खत्म हुए 106 दिन बीत चुके हैं, लेकिन 26 नवंबर तक भी ये साफ नहीं है कि शीतकालीन सत्र होगा या नहीं। उन्होंने मोदी सरकार पर पारदर्शिता की कमी,जनता को ध ाोखा देने और संसद का मजाक बनाने का आरोप लगाया था। अब 26 नवंबर की शाम को आए इस अपडेट के बाद सब की नजरें 30 नवंबर को होने वाली संक्षिप्त बैठक के एजेंडे पर टिक गई है। इसमें सबसे गौर करने वाली बात आपको बता दें कि मानसून सत्र का अभी तक सत्रावसान नहीं हुआ है। इस हिसाब से सरकार को नया सत्र बुलाने के लिए जरूरी 20 दिन का नोटिस भी नहीं देना है। बातें पहले भी चल रही थी और अब किरेन रिजिजू के पोस्ट ने इन्हें और बल दे दिया। ऐसे में चर्चाओं का बाजार गर्म है कि मोदी सरकार डिलिमिटेशन बिल को फिर से पास कराने की तैयारी में है? वही संविध ाान संशोधन बिल जो इस साल महिला आरक्षण विधेयक के साथ नत्थी करके अप्रैल में पेश किया गया था। लेकिन विशिष्ट बहुमत न मिलने पर गिर गया था। नंबर गेम के इस बदले हुए गणित ने सरकार की राह पहले से कहीं ज्यादा आसान तो बना दी है, लेकिन इस बिल को लेकर सबसे बड़ा सवाल संख्याबल का नहीं, बल्कि जनगणना के आंकड़ों का है। टीएमसी में बड़ी टूटरू पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस की एकजुटता को बड़ा झटका लगा। पार्टी के 27 लोकसभा सांसदों में से 20 बागी सांसदों ने श्नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडियाश (छब्ब्) में विलय कर एनडीए को समर्थन देने का फैसला किया। आम आदमी पार्टी को झटकारू राज्यसभा में विपक्षी खेमे को तब बड़ा नुकसान हुआ जब आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों ने इस्तीफा देकर बीजेपी का दामन थाम लिया। इससे उच्च सदन में आप का संख्याबल काफी घट गया। शिवसेना (उद्धव गुट) में फिर सेंधरू पिछले परिसीमन बिल के समय उद्धव ठाकरे की पार्टी के सभी 9 लोकसभा सांसदों ने सरकार के खिलाफ मतदान किया था, लेकिन अब उनमें से 6 सांसदों के पाला बदलने से पार्टी की संसदीय शक्ति एक बार फिर कमजोर हुई है। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल और बीजेपी के बीच हुए नए गठबंधन के साथ ही 6 साल बाद अकाली दल की एनडीए में वापसी हो गई है। सांसद हरसिमरत कौर बादल के जुड़ने से लोकसभा में एनडीए का आंकड़ा 321 तक पहुंच गया है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन और कांग्रेस से दूरी बढ़ने के चलते डीएमके के रुख में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं, जिसके पास लोकसभा में 22 सांसद हैं। वहीं, शरद पवार गुट (8 लोकसभा सांसद) की सांसद सुप्रिया सुले के बयानों से भी संकेत मिला है कि पार्टी हर मुद्दे पर विरोध करने के बजाय बिल के मसौदे के आधार पर समर्थन पर विचार कर सकती है। मौजूदा सरकार 2027 में होने वाली नई जनगणना का इंतजार किए बिना 2011 की पुरानी जनगणना के आधार पर ही परिसीमन करना चाहती है। सरकार का तर्क साफ है कि वह 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले 33ः महिला आरक्षण लागू करना चाहती है। लेकिन विपक्ष का सवाल है कि 2029 तक 2011 के आंकड़े 18 साल पुराने हो चुके होंगे, ऐसे में इतने पुराने आंकड़ों पर देश का नया चुनावी नक्शा खींचना कितना तर्कसंगत है? इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट बताती है कि ठीक ऐसा ही मोड़ 2001 से 2003 के बीच अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के सामने भी आया था। शुरुआत में वाजपेयी सरकार ने भी 1991 की पुरानी जनगणना के आधार पर परिसीमन आयोग का काम शुरू कर दिया था, ताकि 2004 के चुनाव से पहले इसे पूरा किया जा सके। जब विशेषज्ञों और राजनीतिक दलों ने विरोध किया कि अगले 30 साल की राजनीति पुराने आंकड़ों पर तय नहीं होनी चाहिए, तो वाजपेयी सरकार पीछे हट गई। मई 2003 में तत्कालीन कानून मंत्री अरुण जेटली खुद 87वां संविधान संशोधन लेकर आए। संसद में जेटली ने तर्क दिया था कि चूंकि परिसीमन की यह प्रक्रिया अगले ढाई से तीन दशकों तक हमें बांधे रखेगी, इसलिए सबसे ताजा जनगणना (2001) के आंकड़ों का इंतजार करना ही सही है। जस्टिस कुलदीप सिंह की अध्यक्षता में परिसीमन आयोग ने काम शुरू भी कर दिया था और जून 2003 तक लगभग 60ः काम पूरा हो चुका था। लेकिन विशेषज्ञों और राजनीतिक दलों की इस आपत्ति के बाद कि अगले तीन दशकों तक की राजनीति पुराने आंकड़ों पर तय नहीं होनी चाहिए, वाजपेयी सरकार ने अपना रुख बदल लिया। 2004 का लोकसभा चुनाव पुराने चुनावी नक्शे पर ही कराना पड़ा था। नया परिसीमन अंततः 2008 में जाकर लागू हो सका। बहरहाल, अब 23 साल बाद इतिहास खुद को दोहरा रहा है, लेकिन बीजेपी की रणनीति बिल्कुल उलट है। एक तरफ वाजपेयी सरकार थी, जिसने चुनावी देरी और 60 फीसदी मेहनत बेकार जाने की कीमत पर भी ताजा आंकड़ों को प्राथमिकता दी थी। दूसरी तरफ मोदी सरकार है, जो 2029 की समयसीमा और महिला आरक्षण को लागू करने के लिए 15 साल पुराने आंकड़ों के साथ आगे बढ़ने को तैयार है। अब देखना यह है कि 30 नवंबर को जब संसद बैठेगी, तो विपक्ष के इस ऐतिहासिक तर्क और सरकार के नए नंबर गेम में किसका पलड़ा भारी रहता है।

मतदाता पुनरीक्षण अभियान का जायजा लेने जौनपुर आएंगे विशेष कार्याधिकारी शिव प्रताप शुक्ल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर अर्हता तिथि एक जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम–2027 के तहत 28 और 29 नवंबर को विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान जनपद के सभी मतदेय स्थलों (बूथों) पर व्यवस्थाओं और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के कार्यों की गुणवत्ता का निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी शिव प्रताप शुक्ल जौनपुर का भ्रमण करेंगे। विशेष अभियान दिवसों पर बीएलओ की उपस्थिति, मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित कार्यों और बूथों पर की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण एवं आकलन किया जाएगा। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों और बीएलओ को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित मतदेय स्थलों पर समय से उपस्थित रहें तथा निरीक्षण के दौरान आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करें।

एसपी ने कई थानों के प्रभारी बदले, नई तैनाती के आदेश जारी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव उत्तर प्रदेश के जौनपुर में पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने जिले की कानून–व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त बनाए रखने के लिए शनिवार सुबह कई थानों के प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। इस क्रम में विभिन्न थानों में नए प्रभारियों की तैनाती की गई है, जबकि गैर जनपद स्थानांतरित अधिकारियों को कार्यमुक्त कर दिया गया है।

जारी आदेश के अनुसार महेंद्र कुमार सिंह को शाहगंज, रमेश यादव को जफराबाद और पवन कुमार उपाध्याय को सिकरारा थाने का प्रभारी बनाया गया है। वहीं दीनदयाल पांडे को लाइन बाजार थाने का कार्यवाहक प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है। इसी तरह अखिलेश कुमार को मीरगंज थाने तथा लक्ष्मण विक्रम सिंह को केराकत कोतवाली की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस अधीक्षक के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) के रूप में पन्नेलाल और विपिन कुमार सिंह की तैनाती की गई है। इसके अलावा केराकत, मछलीशहर और महिला थाने के पूर्व प्रभारियों को गैर जनपद स्थानांतरण के बाद कार्यमुक्त कर दिया गया है। वहीं मीरगंज के पूर्व थानाध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह को एसओजी में भेजा गया है। पुलिस विभाग में हुए इन बदलावों को प्रशासनिक व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।

फीनिक्स पलासियो में सेलिब्रिटी डीजे उदिता गोस्वामी की प्रस्तुति पर थिरका लखनऊ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। फीनिक्स पलासियो में शुक्रवार को आयोजित विशेष शॉपिंग नाइट में सेलिब्रिटी डीजे उदिता गोस्वामी ने अपनी शानदार प्रस्तुति से समां बांध दिया। उनकी प्रस्तुति के दौरान संगीत और मनोरंजन का संगम देखने को मिला। पॉपुलर म्यूजिक और शानदार बीट्स पर दर्शक झूमते नजर आए। इस खास शाम में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और संगीत का आनंद उठाया। इस कार्यक्रम में उदिता गोस्वामी ने अपने खास अंदाज



और एनर्जी से दर्शकों को बांधे रखा। उनके शो ने शाम को यादगार बना दिया। म्यूजिक, जोश और दर्शकों की भागीदारी ने पूरे आयोजन को एक खास अनुभव में बदल दिया। इस अवसर पर फीनिक्स मिल्स के रिटेल डायरेक्टर, नॉर्थ संजीव सरीन ने कहा, ष्फीनिक्स पलासियो में हमारा प्रयास हमेशा ग्राहकों को खरीदारी के साथ मनोरंजन और यादगार अनुभव देने का रहा है। उदिता गोस्वामी की प्रस्तुति ने इस शाम को बेहद खास बनाया। हमें खुशी है कि शहर के लोगों ने उत्साह के साथ इसमें हिस्सा लिया। हम आगे भी फीनिक्स पलासियो में ऐसे आयोजन करते रहेंगे, जो लोगों को एक साथ आने और मनोरंजन का आनंद लेने का अवसर दें।ष

खराब रैंकिंग वाले विभागों पर पर जिलाधिकारी नाराज

जौनपुर । जिलाधिकारी उमेश मिश्र की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड के तहत विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में खराब रैंकिंग वाले विभागों के प्रति नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी गई और अगले माह तक प्रगति सुधारकर ए अथवा बी श्रेणी में आने का निर्देश दिया गया। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सीएम डैशबोर्ड पर उपलब्ध आंकड़ों और विभागीय प्रगति की नियमित निगरानी करने तथा लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने को कहा। सी और डी श्रेणी में आने वाले विभागों को विशेष रूप से सुधार के निर्देश दिए गए। निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्माणाधीन परियोजनाओं का थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन अनिवार्य रूप से कराने का निर्देश दिया। साथ ही निर्माण स्थलों पर स्वीकृत बजट, कार्य की वर्तमान स्थिति, निर्धारित पूर्णता तिथि और परियोजना से संबंधित जरूरी जानकारी बोर्ड पर प्रदर्शित करने को कहा। विद्युत विभाग की समीक्षा में ट्रांसफार्मर बदलने और बिजली बिल संशोधन से जुड़ी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। चिकित्सा विभाग को जननी सुरक्षा योजना की प्रगति सुधारने को कहा गया। वहीं, फैमिली आईडी निर्माण में खराब रैंकिंग पर नाराजगी जताते हुए लाभार्थीपरक योजनाओं से जुड़े विभागों को आपसी समन्वय के साथ पात्र लाभार्थियों की फैमिली आईडी बनवाने के निर्देश दिए। बैठक में सड़क निर्माण एवं मरम्मत, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, जल जीवन मिशन, स्वास्थ्य सेवाएं, पशुपालन, छात्रवृत्ति, पिछड़ा वर्ग कल्याण और प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में परियोजनाओं को पूरा करने तथा लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय



लखनऊ। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत महिला कल्याण विभाग, वन स्टॉप सेंटर मलिहाबाद यूनिट–3 की ओर से बाल विवाह के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने हेतु जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में उच्च प्राथमिक विद्यालय अमानीगंज के शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राओं ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। विद्यालय की ओर से उर्मिला एवं ललिता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में थाना मलिहाबाद से मिशन शक्ति डेस्क प्रभारी मनीषा पाठक, रेखा एवं ललिता की गरिमामयी उपस्थिति रही तथा उन्होंने रैली में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। वन स्टॉप सेंटर की ओर से केस वर्कर अमृता तिवारी, केस वर्कर शुभ्रा सिंह, पैरामेडिकल नर्स मंजली, कार्यालय सहायक राजा सोनी एवं एमटीएस रोहित कुमार ने सक्रिय एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रैली के माध्यम से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा के दुष्परिणामों के प्रति आमजन को जागरूक किया गया तथा बाल विवाह को रोकने, बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने एवं समाज को बाल विवाह मुक्त भारत बनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता उत्पन्न करना तथा "बाल विवाह मुक्त भारत" के संकल्प को सशक्त बनाना रहा।

रेड रोज पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव 'धरोहर' का भव्य आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय



लखनऊ।मोहनलालगंज के भजनमऊ स्थित रेड रोज पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव 'धरोहर' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति, भारतीय संस्कृति एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने 'डूडी डूडी डम डम', 'मेड इन इंडिया', 'फेस्टिवल्स ऑफ इंडिया', 'कव्वाली' एवं 'कल्चर ऑफ इंडिया' जैसी मनमोहक प्रस्तुतियों से भारतीय संस्कृति की विविधता, परंपराओं और गौरवशाली विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों, उत्साह और प्रतिभा ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की कला एवं आत्मविश्वास की खूब सराहना की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहनलालगंज के विधायक अमरेश कुमार ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने, भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़े रहने और जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक आर.सी. मिश्रा , प्रबंध निदेशक डॉ. प्रशांत कुमार मिश्रा, चेयरपर्सन डॉ. स्मिता मिश्रा एवं प्रधानाचार्या वर्षा पांडेय जी ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास, उनमें नैतिक मूल्यों का संवर्धन तथा अपनी संस्कृति और विरासत के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना भी है।

वार्षिकोत्सव 'धरोहर' ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता और सांस्कृतिक चेतना को मंच प्रदान करते हुए भारतीय परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन का सुंदर संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

मड़ियाहूं बना ओवरऑल चैंपियन, शाहगंज उपविजेता

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर,। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित परिषदीय विद्यालयों की 48वीं दो दिवसीय जनपदीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुक्रवार को बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में समापन हुआ। प्रतियोगिता में 261 अंक हासिल कर मड़ियाहूं तहसील ओवरऑल चौंपियन बनी, जबकि 144 अंक के साथ शाहगंज उपविजेता रहा। समापन समारोह की मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर कुमार ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। दो दिवसीय प्रतियोगिता में जिले के सभी विकासखंडों से चयनित बालक–बालिका खिलाड़ियों ने कबड्डी, खो–खो, दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक और चक्का फेंक सहित विभिन्न खेलों में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही लोकगीत, लोकनृत्य, समूह गान और नाटक के माध्यम से बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। अंक तालिका में 88 अंक के साथ सदर तीसरे, 84 अंक लेकर मछलीशहर चौथे, 63 अंक के साथ केराकत पांचवें और 26 अंक लेकर बदलापुर छठवें स्थान पर रहा। सीमा द्विवेदी ने कहा कि ग्रामीण अंचल के बच्चों में अपार प्रतिभा है। उन्हें उचित मंच और प्रोत्साहन देने की जरूरत है। खेल बच्चों में अनुशासन, मेहनत और हार–जीत को सहजता से स्वीकार करने की भावना विकसित करते हैं। खेलों के माध्यम से बच्चे अपना भविष्य संवारने के साथ देश का नाम भी रोशन कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि बीआरपी इंटर कॉलेज के प्रबंधक हरिश्चंद्र श्रीवास्तव ने आयोजन समिति को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन नूपुर श्रीवास्तव और शैलेश चतुर्वेदी ने किया। अंत में बीएसए समीर कुमार ने सभी के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी बसंत कुमार शुक्ल, डीसी विशाल उपाध्याय, अरुण मौर्य, जिला व्यायाम शिक्षक रविचंद्र यादव, राकेश यादव सहित शिक्षक, अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रहे। प्रतियोगिता के आधार पर मंडल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए जनपद की विजेता टीमों का चयन भी किया गया।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत गांवों एवं मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में जनजागरूकता अभियान आयोजित



जौनपुर ।उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0बी0 कमल के कुशल निर्देशन में सड़क सुरक्षा नोडल अधिकारी डा0 मुदित चौहान द्वारा सड़क सुरक्षा पखवाड़ा (16 नवम्बर से 30 नवम्बर, 2026) के अंतर्गत गांवों एवं मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में जनजागरूकता अभियान दिनांक 28 नवम्बर 2026 को आयोजित किया गया। 'प्रधानाचार्य प्रो0 (डॉ0) आर0बी0 कमल ने कहा कि' सड़क सुरक्षा केवल यातायात नियमों का पालन करना नहीं, बल्कि अपने और दूसरों के जीवन की रक्षा करना है। एक छोटी सी लापरवाही किसी परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन सकती है। इसलिए हेलमेट पहनें, सीट बेल्ट लगाएं और तेज गति एवं मोबाइल के प्रयोग से बचें। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग की ओपीडी में वाहन चालकों सहित आमजन के नेत्रों की निःशुल्क जांच की जा रही है, जिसका सभी लोग लाभ उठा सकते हैं। चिकित्सकों की टीम गांवों में जाकर भी लोगों को जागरूक कर रही है। उन्होंने भावुक अपील करते हुए कहा कि सड़क पर सुरक्षित घर पहुंचना ही आपके परिवार के लिए सबसे बड़ा उपहार है। यातायात नियमों का पालन करें, क्योंकि घर पर कोई आपका इंतजार कर रहा है। सड़क सुरक्षा नोडल अधिकारी डॉ0 मुदित चौहान ने अपने संबोधन में सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए यातायात नियमों के प्रति सजग रहने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन और वाहन चलाते समय मोबाइल से दूरी बनाना जीवन रक्षा के महत्वपूर्ण उपाय हैं। उन्होंने अपील की कि सड़क सुरक्षा को केवल अभियान तक सीमित न रखकर इसे अपनी दैनिक आदत बनाएं, क्योंकि आपकी एक छोटी सी सावधानी किसी परिवार को जीवनभर का दुख झेलने से बचा सकती है। कम्युनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ0 अनुज सिंह' ने सड़क सुरक्षा पखवाड़े के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम केवल यातायात पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामुदायिक स्वास्थ्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने बताया कि उनका विभाग गांवों एवं समुदाय के बीच जाकर लोगों को जागरूक करने, सड़क सुरक्षा व्यवहार अपनाने तथा दुर्घटनाओं से बचाव के प्रति शिक्षित करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण का सबसे मजबूत माध्यम है। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षित यातायात को अपनी आदत बनाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली असमय मौतों और परिवारों की पीड़ा को रोका जा सके। इस अवसर डा0 सरिता पाण्डेय, डा0 पूजा पाठक, डा0 नवीन सिंह, डा0 अनलि कुमार, डा0 आदर्श मौर्या, डा0 आसिया एवं अन्य चिकित्सक कर्मचारी व मरीज तथा उनके तीमारदार उपस्थित रहें।

रिश्वतखोरी और अवैध वसूली की शिकायतों पर एसपी का बड़ा एक्शन, 47 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

गोपनीय जांच के बाद विभिन्न थानों में तैनात पुलिसकर्मियों को हटाया, विभाग में मची खलबली

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर,। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में रिश्वतखोरी और अवैध वसूली की शिकायतों पर पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने बड़ी कार्रवाई की है। गोपनीय जांच के बाद एसपी ने जिले के विभिन्न थानों में तैनात 47 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों पर हुई कार्रवाई से पुलिस महकमे में खलबली मच गई है।

पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली और कथित भ्रष्टाचार को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों को एसपी ने गंभीरता से लिया था। इसके बाद गोपनीय स्तर पर जांच कराई गई। जांच में चिह्नित पुलिसकर्मियों को उनकी वर्तमान तैनाती से हटाकर पुलिस लाइन भेजने का आदेश जारी किया गया। इस कार्रवाई में मुख्य आरक्षी और आरक्षी स्तर के पुलिसकर्मी शामिल हैं। जारी आदेश में उनके नाम और पूर्व तैनाती का विवरण भी दिया गया है। कार्रवाई की सूची में मुख्य आरक्षी जितेन्द्र पाण्डेय, विपुल कुमार राय, अमलेश कुमार सिंह, पंकज पुरी, बलवन्त सिंह, अखिलेश सिंह, शिवाकान्त पाठक, विजय कुमार दूबे, ओम प्रकाश मिश्रा, मानस कुमार तिवारी, लव कुमार सिंह, दिनेश कुमार सरोज, राजकुमार यादव, संदीप सिंह, राकेश कुमार, श्रीप्रकाश तिवारी, अनुज प्रताप सिंह, उमाशंकर सिंह और अनिलेंद्र प्रसाद समेत अन्य पुलिसकर्मियों के नाम शामिल हैं। एसपी की इस कार्रवाई को पुलिस विभाग में अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। इसके जरिए स्पष्ट संदेश दिया गया है कि विभाग में भ्रष्टाचार, अवैध वसूली और अनुशासनहीनता की शिकायतों को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

सरकार सभी मुद्दों पर विफल– पल्लवी पटेल

जौनपुर। अपना दल कमेरावादी के तत्वाधान में द्वारा चलाये जा रहे रोजगार एवं भागीदारी यात्रा शनिवार को जनपद के मड़ियाहूं विधान सभा क्षेत्र के सिहोरीवीर गांव में पहुंचते ही कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारीयों के द्वारा सिराथू विधायक डॉक्टर पल्लवी पटेल का जोरदार स्वागत किया।यह यात्रा वाराणसी जनपद के सारनाथ से संविधान दिवस के दिन शुरु किया गया। इस यात्रा को विभिन्न जनपदों से होते हुए राजधानी लखनऊ में पहुंचेगी।इसी दौरान यात्रा जब मड़ियाहूं विधान सभा में पहुंची तो वहां रास्ते में स्थित महापुरुषों के प्रतिमा पर सिराथू विधायक डॉक्टर पल्लवी पटेल द्वारा महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित किया गया। यात्रा के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए सिराथू विधायक डॉक्टर पल्लवी पटेल ने केंद्र व प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि पूरे देश व प्रदेश में महंगाई जोरों पर है किसान, छात्र,नौजवान व युवा पूरी तरह से परेशान है। उन्होंने यह भी कहा कि देश में बेरोजगारी की एक लम्बी फौज तैयार हो गई है।सरकार पूरी तरह से इस समय विफल चल रही है।सरकार के पास सिर्फ भाषण के सिवा और कुछ भी नहीं बचा है। सिराथू विधायक डॉ पल्लवी पटेल ने नारा देते हुए कहा कि रोजगार नहीं तो सरकार नहीं और भागीदारी नहीं तो सरकार नहीं।इस कार्यक्रम के तहत डॉक्टर पल्लवी पटेल अपने चिन्हित विधान सभाओं के गांवों तक मोटर साइकिल जुलूस के शक्ल में स्वयं मोटर साइकिल चलाते हुए अपने कार्यकर्ता साथियों के साथ पहुंची।इस यात्रा के दौरान जगह–जगह आम सभाओं का भी आयोजन किया गया।

बहुभोज में चाकूबाजी और मारपीट, युवक की मौत, किशोर गंभीरय वाराणसी रेफर

दो पक्षों के बीच विवाद के बाद हुई घटना, पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर लेकर शुरू की कार्रवाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के ककुहा गांव में शुक्रवार शाम बहुभोज के कार्यक्रम के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद के बाद मारपीट और चाकूबाजी हो गई। घटना में 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि 15 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। मृतक की पहचान गांव निवासी बिंद्रेश राजभर उर्फ कल्लू (26) पुत्र लालन राजभर के रूप में हुई है। बताया गया कि बिंद्रेश बहुभोज कार्यक्रम में टेंट लगाने गया था। इसी दौरान किसी बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि इस दौरान कल्लू राजभर ने रितेश तिवारी पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू किशोर की आंख के नीचे लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद जवाबी हमले में कल्लू राजभर पर ईंट से हमला किया गया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में अफरा–तफरी मच गई। मृतक के परिजनों ने उसकी मौत को लेकर हत्या की आशंका भी जताई है। अपर पुलिस अधीक्षक नगर अनंत चंद्रशेखर ने बताया कि बहुभोज कार्यक्रम के दौरान गांव के ही दो पक्षों में विवाद हुआ था। दोनों पक्षों की ओर से हुई मारपीट में एक युवक की मौत हुई है और एक किशोर घायल हुआ है। घायल किशोर का उपचार कराया जा रहा है। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर प्राप्त कर ली है और मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। घटनास्थल पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है। फिलहाल गांव में शांति व्यवस्था कायम है।



दुष्कर्म के बाद जिंदगी की जंग हार गई 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला, आरोपी गिरफ्तार

गोरखपुर, (संवाददाता)। सिंदुरिया थाना क्षेत्र के एक गांव में शादी समारोह के दौरान रिश्तेदार के कथित दुष्कर्म और मारपीट की शिकार हुई 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला की शुक्रवार की सुबह करीब चार बजे मौत हो गई। हालत बिगड़ने पर उन्हें इलाज के लिए गोरखपुर स्थित बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। वहीं, पुलिस ने आरोपी गिरजेश को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। घटना 25 नवंबर को गांव में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान हुई थी। जानकारी के मुताबिक, गांव के एक युवक की बरात दूसरे गांव गई थी। घर के सभी पुरुष बरात में शामिल होने गए थे। इस दौरान रिश्तेदारी में आया दूल्हे की मां के देवर का साढू गिरजेश घर पर ही था। आरोप है कि बृहस्पतिवार की रात करीब नौ बजे वह शराब के नशे में बुजुर्ग महिला के कमरे में घुस गया और उनके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने उनके साथ मारपीट भी की। कुछ देर बाद खाना खाने के लिए महिला के बाहर नहीं आने पर उनकी बड़ी बेटी कमरे में पहुंची। वहां उसने गिरजेश को आपत्तिजनक हालत में देखा। इसके बाद वह परिवार की चार–पांच अन्य महिलाओं को लेकर कमरे में पहुंची। महिलाओं को आता देख आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर बरात में गए परिजन घर लौटे और आरोपी की तलाश शुरू की। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और मारपीट समेत संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी। बृहस्पतिवार को पुलिस टीम ने पड़री उर्फ मीरगंज के टोला मुंडेरी के पास से गिरजेश को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी अनूप तिवारी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया गया है। उधर, पीड़िता की तबीयत बिगड़ने पर बृहस्पतिवार को उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जहां शुक्रवार की सुबह करीब चार बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।



राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर उत्कृष्ट पशुपालकों व गौशाला संचालकों का हुआ सम्मान

दुग्ध उत्पादन में भारत का योगदान 24 फीसदी से अधिक, यूपी देश में शीर्ष पर – सीडीओ



(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर शुक्रवार को विकास भवन सभागार में पशुपालन विभाग की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया।सीडीओ राजेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पशुपालकों और गौशाला संचालकों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में अपर निदेशक ग्रेड–2 डॉ. अरविंद कुमार वैश्य ने श्वेत क्रांति के जनक पद्म विभूषण डॉ. वर्गीज कुरियन के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से देश में डेयरी सहकारी आंदोलन को नई दिशा मिली और भारत दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बना।आज भारत वैश्विक दुग्ध उत्पादन में 24 प्रतिशत से अधिक योगदान के साथ प्रथम स्थान पर है।देश का कुल दुग्ध उत्पादन बढ़कर 247.87 मिलियन टन पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश 15.66 प्रतिशत योगदान के साथ देश में दुग्ध उत्पादन में शीर्ष स्थान पर है।उन्होंने दूध को संपूर्ण आहार बताते हुए इसमें मौजूद प्रोटीन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम के पोषण संबंधी लाभों की जानकारी दी। साथ ही डेयरी क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रगतिशील पशुपालकों और गौशाला संचालकों का सम्मान रहा। मुख्य विकास अधिकारी ने उनसे संवाद कर उनके अनुभव, सफलताओं और व्यावहारिक समस्याओं की जानकारी ली।इसके बाद गौ संरक्षण एवं संवर्धन, दुग्ध उत्पादन तथा पशुपालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रशस्ति–पत्र, शॉल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम मे सीडीओ राजेश कुमार ने कहा कि पशुपालक ग्रामीण अर्थव्यवस्था की असली ताकत हैं।उनके परिश्रम से दुग्ध विकास को नए आयाम मिल रहे हैं।उन्होंने दूध के पोषण संबंधी महत्व पर जोर देते हुए युवाओं से आधुनिक डेयरी फार्मिंग अपनाने का आह्वान किया।मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. इंद्रदेव ने पशुओं के संतुलित आहार, समय पर टीकाकरण, पशु आधार (भारत पशुधन डेटाबेस) और स्वास्थ्य प्रबंधन से जुड़ी तकनीकी जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विवेक शुक्ल ने किया।इस अवसर पर जनपद के पशु चिकित्सा अधिकारी,उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, पशुपालक एवं गौशाला संचालक उपस्थित रहे।

बस्ती के अनूप कुमार होगे जिले के नए बीएसए

अयोध्या।उत्तर प्रदेश शासन ने बेसिक शिक्षा विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 15 अधिकारियों के तबादले किए हैं।इसके तहत अयोध्या बीएसए लालचन्द्र को अमेठी भेजा गया है,जबकि बस्ती के बीएसए अनूप कुमार को अयोध्या का नया बीएसए नियुक्त किया गया है।

दो महीने से अधूरा काम, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन व इंटरलॉकिंग

भदोही, (संवाददाता)। नगर पालिका परिषद के वार्ड नंबर नौ पश्चिम मोहाल में पेयजल पाइपलाइन का काम दो महीने से अधूरा है। पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई इंटरलॉकिंग सड़क की मरम्मत भी नहीं हो सकी है। मामले में पूर्व सभासद संतोष मोदनवाल ने बृहस्पतिवार को ईओ को पत्रक सौंपकर तत्काल समाधान की मांग की है। बताया कि केंद्र सरकार की हर घर जल योजना के तहत यह पाइपलाइन बिछाई गई थी। नगर पालिका की देखरेख में करीब दो महीने पहले काम शुरू हुआ था। लेकिन देवी प्रसाद अग्रहरी बबलू और सुषमा मिश्रा के मकान के सामने पाइपलाइन का जोड़ अब तक पूरा नहीं किया गया है। क्षतिग्रस्त सड़क की खराब स्थिति के कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। रात के समय पैदल और साइकिल से आने–जाने वालों को काफी दिक्कतें आती हैं। मांग किया कि पेयजल पाइपलाइन का अधूरा जोड़ तत्काल पूरा कराया जाए और क्षतिग्रस्त इंटरलॉकिंग सड़क की मरम्मत कराएं। ईओ बीना सिंह ने बताया कि शिकायत मिली है। उसे जल्द दुरुस्त कराया जाएगा।

भदोही में सड़क सुरक्षा भाषण प्रतियोगिता, खुशबू प्रथम, विकास द्वितीय

भदोही, (संवाददाता)। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय में बृहस्पतिवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता पखवाड़ा के तहत भाषण प्रतियोगिता हुई। इसका विषय सड़क सुरक्षा में युवाओं की भूमिका था। प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। खुशबू पटेल प्रथम, विकास शर्मा द्वितीय और खुशी तृतीय रहीं। प्रतिभागियों ने सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते ग्राफ और उनसे होने वाली सामाजिक व पारिवारिक क्षति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति यातायात नियमों की सीख देकर समाज को जागरूक कर सकती है। जागरूक युवा समाज में श्श्चेंज मेकरश्श की भूमिका निभा सकता है। प्रभारी प्राचार्य डॉ. रवींद्र कुमार पांडेय ने सड़क सुरक्षा को नागरिक जीवन की गंभीर आवश्यकता बताया। प्रतियोगिता की संयोजक डॉ. अंकिता तिवारी ने कार्यक्रम का उद्देश्य स्पष्ट किया।

इलाके के बंटवारे की रंजिश में किन्नर ने रची थी रविकेश की हत्या की साजिश

गोरखपुर, (संवाददाता)। गगहा के रविकेश गौतम हत्याकांड का पुलिस ने बृहस्पतिवार को पर्दाफाश कर दिया। इलाके के बंटवारे को लेकर दो किन्नरों के बीच चल रही रंजिश में हत्या की साजिश रची गई थी। पुलिस ने मामले में मनचली उर्फ सन्नी किन्नर समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, मनचली ही हत्याकांड की मास्टरमाइंड है। वारदात को अंजाम देने वाला शूटर शेरू उर्फ मित्रपाल अभी भागा हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आजमगढ़ के जीयनपुर थाना क्षेत्र के महरुपुर निवासी धर्मप्रकाश उर्फ अंकित कुमार, मऊ जिले के मोहम्मदाबाद गोहना इलाके के वलिदपुर (नारापार) निवासी करन कुमार, वलिदपुर (कोड़रा) के दुर्गेश कुमार उर्फ लालू, इसी गांव के सूरज कुमार, गोरखपुर के गोला इलाके के खटिकाना निवासी मनचली उर्फ सन्नी किन्नर और गगहा इलाके के सोनईचा निवासी अजय शर्मा उर्फ दुर्गेश शर्मा के रूप में हुई है। इनके पास से दो .32 बोर की पिस्टल, पांच कारतूस, चार मोबाइल फोन, एक कार और एक बाइक बरामद की गई है। पुलिस लाइंस के व्हाइट हाउस में प्रेसवार्ता के दौरान एसपी साउथ दिनेश पुरी ने बताया कि 19 नवंबर को बिजली किन्नर अपने पति रविकेश गौतम और कुछ अन्य लोगों के साथ भैंसा बाजार से लौट रही थीं। इसी दौरान कलानी मोड़ के पास कार सवार बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से रविकेश की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बिजली किन्नर घायल हो गई थीं। घटना के बाद गगहा थाने में हत्या की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी थी। जांच में सामने आया कि मनचली उर्फ सन्नी की बिजली किन्नर से इलाके के बंटवारे को लेकर पुरानी रंजिश थी। इसी के चलते उसने बिजली और उनके पति रविकेश को रास्ते से हटाने की साजिश रची। पुलिस के अनुसार, मनचली ने अजय शर्मा के माध्यम से शेरू उर्फ मित्रपाल से संपर्क किया था। इसके बाद शूटरों को हत्या के लिए तैयार किया गया। एसपी साउथ ने बताया कि पुलिस की टीमें शूटर शेरू और अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही हैं। गिरफ्तारी में सर्विलांस, स्वाट, एसओजी और एंटी थेफ्ट टीम की अहम भूमिका रही।

कैंट रेलवे स्टेशन पर आग से बचाव को लेकर मॉक ड्रिल, यात्रियों और कर्मचारियों को बताए सुरक्षा उपाय



अयोध्या।कैंट रेलवे स्टेशन पर आग से बचाव एवं सुरक्षा उपायों को लेकर आरपीएफ के नेतृत्व में प्लेटफार्म नंबर एक पर मॉकड्रिल की गई।इस मौके पर रेलवे के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। मॉक ड्रिल के दौरान आग लगने के संभावित कारणों, आग से बचाव के उपायों तथा आपात स्थिति में उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी दी गई।इस दौरान वहां पर मौजूद रेल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य रेल कर्मचारियों और यात्रियों को आग लगने की परिस्थितियों से अवगत कराना,आग से बचाव के उपायों की जानकारी देना तथा आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए तैयार करना है। साथ ही सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।मॉकड्रिल में मुख्य रुप से आरपीएफ,जीआरपी, कैरिज एवं वैगन विभाग,स्टेशन अधीक्षक,स्वास्थ्य निरीक्षक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।सहायक उप निरीक्षक आरपीएफ डीबी सिंह, पंकज सहित अन्य कर्मियों ने सहभागिता की।

रात का तापमान 14 डिग्री सेल्सियस पर

भदोही, (संवाददाता)। जिले में तापमान में उतार–चढ़ाव के बीच ठंड का असर दिखाना शुरू हो गया है। रात का तापमान गिरकर 14 डिग्री तक पहुंच गया है। ठंडी हवाओं के साथ सिहरन बढ़ती जा रही है। सुबह–शाम कंपकपी वाली ठंड का अहसास अब लोगों को होने लगा है। सुबह के वक्त हल्का कोहरा भी दिख रहा है। सूर्योदय होते ही कोहरे छंट जा रहे हैं। मौसम विभाग ने अनुमान व्यक्त किया कि आगामी तीन दिनों में तापमान 12 डिग्री तक पहुंचने की उम्मीद है। कृषि विज्ञान केंद्र बेजवां के प्रभारी डॉ. अजय कुमार ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में हवा की दिशा में बदलाव हुआ है। पहाड़ी क्षेत्रों और मैदानी इलाकों से निकलने वाली हवाओं में नमी है। इसके कारण रात के पारा में निरंतर कमी देखी जा रही है, जबकि अधिकतम तापमान 26 डिग्री पर स्थिर है। इन दिनों मौसम में रोजाना बदलाव देखा जा रहा है। जैसे सुबह–शाम के समय ठंड सबसे ज्यादा महसूस की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

कोहरा नहीं फिर भी ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक, दानापुर स्पेशल 18 घंटे लेट

बांदा, (संवाददाता)। कोहरे ने अभी दस्तक भी नहीं दी है, लेकिन ट्रेनों की लेटलतीफी ने यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बृहस्पतिवार को मानिकपुर जंक्शन पर दानापुर स्पेशल 18 घंटे से अधिक की देरी से पहुंची। इसके अलावा 12 से अधिक ट्रेनें अपने निर्धारित समय से एक से 15 घंटे तक विलंब से आईं। घंटों प्लेटफॉर्म पर भूखे–प्यासे इंतजार करने के बाद भी यात्रियों की परेशानी कम नहीं हुई। खाने–पीने की चीजों के लिए भी उन्हें भटकना पड़ा। पूना से दानापुर जाने वाली स्पेशल ट्रेन को बुधवार शाम 4.10 बजे मानिकपुर जंक्शन पहुंचना था, लेकिन यह बृहस्पतिवार सुबह 10.15 बजे पहुंची। ट्रेन में सवार बिहार निवासी रज्जू ने बताया कि उसके घर में बृहस्पतिवार को शादी है। ट्रेन के घंटों लेट होने से वह समय पर नहीं पहुंच पाएगा। इसी तरह बक्सर निवासी छेद्दू ने बताया कि वह परिवार के साथ रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने के लिए पूना से जा रहा है। ट्रेन की देरी के चलते अब शादी में पहुंचने का कोई मतलब नहीं रह जाएगा।

सीतापुर में मंगल गीतों के बीच 166 जोड़ों ने थामा एक–दूजे का हाथ

बांदा, (संवाददाता)। रामायण मेला परिसर सीतापुर में बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 166 जोड़ों ने एक ही मंच पर सात फेरे लिए। मंत्रोच्चार, बैंड–बाजे और शुभकामनाओं के बीच पूरा परिसर मंगल गीतों से गूंज उठा। सामूहिक विवाह समारोह में इस बार पहाड़ी ब्लॉक से सबसे अधिक 100 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। कर्वी ब्लॉक से 52, रामनगर से दो, नगर पालिका कर्वी से 11 और नगर पंचायत मानिकपुर से एक जोड़े ने सात फेरे लिए। समारोह में सीडीओ डीपी पाल, पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल, भैरों प्रसाद मिश्रा, पूर्व राज्य मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, जिला कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल और ब्लॉक प्रमुख पहाड़ी सुशील द्विवेदी ने नवदंपतियों को सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया।

कालिंजर मेले में दंगल का रोमांच, शिवमंगल ने महेश को चटाई धूल

बांदा, (संवाददाता)। कार्तिक पूर्णिमा मेले के चौथे दिन कालिंजर दुर्ग स्थित राठौर महल परिसर में बजरंगबली मंदिर के सामने मेला कमेटी की ओर से दंगल आयोजित किया गया। इसमें आगरा, बांदा, चित्रकूट, पन्ना, सतना और बरेली समेत कई क्षेत्रों से आए नामी पहलवानों ने दमखम दिखाया। पहलवानों के मुकाबले देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक जुटे। दंगल की सबसे रोमांचक कुश्ती बांदा के शिवमंगल टाइगर और बरेली के महेश राय के बीच हुई।

शटडाउन के बाद भी चालू हुई बिजली, करंट से दिहाड़ी विद्युतकर्मी की मौत



सुल्तानपुर, (संवाददाता)। मिसिरपुर जलालपुर गांव में बृहस्पतिवार दोपहर ट्रांसफार्मर पर चढ़कर बिजली का फॉल्ट ठीक कर रहे दिहाड़ी विद्युतकर्मी की करंट लगने से मौत हो गई। आरोप है कि पावर हाउस से शटडाउन लेने के बावजूद अचानक बिजली आपूर्ति शुरू कर दी गई। हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। दहलवा पौधनरामपुर निवासी दुर्गा प्रसाद (38) अलीपुर विद्युत उपकेंद्र पर करीब पांच वर्षों से दिहाड़ी लाइनमैन के रूप में काम कर रहे थे। परिजनों के मुताबिक, बृहस्पतिवार दोपहर करीब दो बजे वह उपकेंद्र से शटडाउन लेकर मिसिरपुर जलालपुर गांव में ट्रांसफार्मर पर चढ़कर तारों का फॉल्ट ठीक कर रहे थे। इसी दौरान अचानक बिजली आपूर्ति शुरू हो गई। करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गए। सूचना पर पहुंची पुलिस उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अखंडनगर ले गई, जहां चिकित्सक डॉ. सुधीर बरनवाल ने मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र वर्मा ने बताया कि तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, जेई दीनदयाल यादव ने बताया कि विभागीय लाइनमैन ने मोबाइल टावर की लाइन ठीक करने के लिए शटडाउन लिया था। उसी दौरान दुर्गा प्रसाद भी काम कर रहे थे। उन्होंने अलग से इसकी जानकारी नहीं दी थी। दुर्गा प्रसाद की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उनके परिवार में पत्नी प्रियंका और तीन बेटे प्रिंस (17), अंकुश (16) व मनीष (14) हैं। परिवार के भरण–पोषण की पूरी जिम्मेदारी दुर्गा प्रसाद पर थी। उनकी मौत से पत्नी और बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल है।

पांच अतिक्रमण कारियों के खिलाफ कार्रवाई, जुर्माना

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। शहर के मुख्य मार्गों और पटरियों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए बृहस्पतिवार को नगर पालिका और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने अभियान चलाया। सड़क की पटरियों पर दुकानें फैलाकर कारोबार करने वाले दुकानदारों और पथ विक्रेताओं को चेतावनी दी गई। कई स्थानों से सामान और ठेले जब्त करने के साथ पांच अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई कर उन पर 4500 रुपये जुर्माना भी लगाया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर अधिशासी अधिकारी लालचंद्र सरोज के नेतृत्व में टीम ने कोतवाली नगर से बस स्टेशन, गोलाघाट स्थित जिलाधिकारी आवास, जिला अस्पताल रोड, केनरा बैंक, चौक घंटाघर, ठठेरी बाजार, चौक और पंचरास्ता होते हुए दरियापुर तिराहे तक अभियान चलाया। इस दौरान सड़क की दोनों पटरियों पर किए गए अतिक्रमण को हटवाकर आवागमन का रास्ता खाली कराया गया। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि शहर के प्रमुख मार्गों और पटरियों को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान लगातार जारी रहेगा।

अधिकारियों–कर्मचारियों ने ली संविधान की शपथ

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। संविधान दिवस पर बृहस्पतिवार को जिले भर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। कलेक्ट्रेट और विकास भवन में अधिकारियों–कर्मचारियों को संविधान की शपथ दिलाई गई। इस दौरान संविधान की मूल भावना, दायित्वों और अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में शपथ दिलाई। उन्होंने भारतीय संविधान को देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार बताया। यह प्रत्येक नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता का अधिकार सुनिश्चित करता है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से निष्पक्षता, पारदर्शिता और निष्ठा से कार्य करने को कहा। उन्होंने संविधान के आदर्शों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने पर जोर दिया। अपर जिलाधिकारी प्रशासन रत्नप्रिया भी इस मौके पर मौजूद रहीं। विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह ने कर्मचारियों को शपथ दिलाई। उन्होंने संविधान के अनुरूप कार्य करने पर बल दिया। कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी ने जनगणना–2027 के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वगणना प्रक्रिया की जानकारी दी।

जिला अस्पताल में दलालों का जाल, इलाज से जांच तक मरीजों की जेब पर वार

बांदा, (संवाददाता)। जिला अस्पताल में दलालों का नेटवर्क लगातार सक्रिय है। मरीजों के इलाज से लेकर जांच तक में उनकी दखल सामने आ रही है। ऑर्थो ओपीडी से लेकर एक्सरे कक्ष तक दलाल मरीजों को अपने जाल में फंसाने में जुटे हैं। डॉक्टरों तक सीधी पहुंच और लाइन तोड़कर पर्चा दिखवाने की सुविधा दिलाकर पहले मरीजों का भरोसा जीतते हैं। इसके बाद उन्हें निजी पैथोलॉजी में जांच और बाहर बेहतर इलाज कराने का झांसा दिया जाता है। बाहर की दवाएं लिखे जाने का सिलसिला भी जारी है। बुधवार को पड़ताल में सामने आए दलाल बृहस्पतिवार को भी अस्पताल परिसर में घूमते मिले। खबर प्रकाशित होने के बाद उनकी सतर्कता जरूर बढ़ गई, ।

लगातार 12वीं बार भर्देया बना ओवरऑल चैंपियन

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय जनपदीय परिषदीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का बृहस्पतिवार को भव्य समापन हुआ। जिलेभर के परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में भर्देया ने लगातार 12 वीं बार ओवरऑल चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया। भर्देया 255 अंकों के साथ पहले, जयसिंहपुर 182 अंकों के साथ दूसरे और बल्दीराय 178 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि सहायक शिक्षा निदेशक अयोध्या मंडल कौस्तुभ कुमार सिंह और विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता पुलकित सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया। आयोजन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेंद्र गुप्ता की देखरेख में संपन्न हुआ। दूसरे दिन जूनियर बालक वर्ग की चक्का फेंक स्पर्धा में भर्देया के दीपांशु प्रथम रहे। खो–खो में कुड़वार विजेता और मोतिगरपुर उपविजेता रहा, जबकि रिले रेस में दूबेपुर ने बाजी मारी। जूनियर बालिका वर्ग की 400 मीटर दौड़ में धनपतगंज की प्रज्ञा और 600 मीटर में कुड़वार की मानवी प्रथम रहीं। वॉलीबॉल में कुड़वार विजेता और भर्देया उपविजेता रहा। बैडमिंटन की दोनों संवर्गों में जयसिंहपुर ने जीत दर्ज की। व्यक्तिगत चौंपियनशिप में प्राथमिक बालक वर्ग में कूरेभार के आयान, बालिका वर्ग में बल्दीराय की दिव्यांशी, जूनियर बालिका वर्ग में पीपी कमैचा की अस्मिता और जूनियर बालक वर्ग में दूबेपुर के योगेश चौंपियन बने। जिला व्यायाम शिक्षक राहुल तिवारी ने बताया कि चयनित खिलाड़ी अंबेडकर नगर में आयोजित मंडलीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। जिला व्यायाम शिक्षिका श्रद्धा सिंह ने पात्रता संबंधी कार्य दो दिनों में पूरा कराने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन अनिल यादव और डॉ. बबिता सिंह ने किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।